

अंचल अधिकारी, मनातु का कार्यालय

बाद अभिलेख संख्या/2016(अन्तर्गत धारा 4(h), BLR Act, 1950)
नोटिस

बनाम समस्त खाँ S/o गाला खाँ
नाम - मेडिहा रहेला /

एतद् नोटिस द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मैजा रहेला थाना नं०.....
खाता नं०...../..... खेसरा नं०...../..... रकबा...../..... से संबंधित आपके नाम से हो० नं०.....
पंजी भाग के पृष्ठ २६/१ पर दर्ज जमाबंदी प्रथम दृष्टया राजस्व कर्मचारी ने अंचल निरीक्षक
माध्यम से जॉचोपसन्त सदिन्ध प्रतिबेदित किया है ।

अतएव आप उक्त संबंध में दिनांक ०९/११/२५ को समय 11:00 बजे पूर्वाह्न में उक्त :
रिटर्न 1 भूमि बंदोबस्ती से संबंधित हुकुमनामा भूतपूर्व जमींदार द्वारा निर्गत जमींदारी रसीदो, फार्म
सरकार में जमींदारी निहित होने के बाद सरकार द्वारा निर्गत राजस्व रसीदो निर्गत परवाना एवं त
साक्ष्यो की मूल प्रति / सत्यापित प्रति जो आपके उक्त भूमि पर दावे की पूष्टि करता हो, के साथ
अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें ।

सनद रहे कि अन्यथा कि स्थिति में समझा जायेगा कि उक्त संबंध में आपको कुछ नहीं क
तथा उपलब्ध दस्तावेज / साक्ष्यो के आधार पर समुचित निर्णय पर पहुंचते हुए दर्ज जमाबंदी के
में युक्ति युक्त निर्णय लेते हुए विधिसम्मत अनुशंसा कर दी जाएगी ।

इसे सख्त ताकिद जाने ।

तिथि :

मुहर

स्थान :

३१/१२/२५
अंचल अधिकारी
मनातु, पलामू

आदेश की नं० एवं तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर कार्रवाई की टिप्पणी सहित
	2	3
5/01/25	अभिलेख उपस्थापित। राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक एवं अंचल अमीन का जांच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ। जांच प्रतिवेदन अंकित है कि “मौजा-नौडिहा में जाकर राजस्व कागजात एवं नक्शा का मिलान करके अंचल अमीन के साथ स्थलीय जांच किया। जांच में पाया कि गैरमजरूआ खास खाता सं०-02, प्लॉट सं०-106/457 रकबा- 0.93 ए० पर हदीसुन बीबी पति जलील मियां का के द्वारा जोत-कोड़ किया जा रहा है। उनके द्वारा जांच के दौरान बंदोबस्ती पर्चा एवं रंगभरी नक्शा एवं निर्गत रसीद प्रस्तुत किया गया। जिससे पता चलता है कि अनुमण्डल पदाधिकारी के बंदोबस्ती वाद सं० 154/2002-03 के अंतर्गत दिनांक 11.07.03 को मौजा-नौडिहा थाना सं०-346 के अन्तर्गत उक्त खाता सं०- 02, प्लॉट सं०- 106/457 रकबा-0.93 ए० की बंदोबस्ती उक्त रैयत हदीसुन बीबी पति जलील मियां के नाम से हुआ है, जिसका जमाबंदी मौजा-नौडीहा के मांग पंजी II के पेज सं० 134/1 पर दर्ज होकर वर्ष 2009-10 तक रसीद निर्गत है। इस प्रकार उक्त जमाबंदी संदेहास्पद/अवैध प्रतीत नहीं होता है। अतः उक्त जमाबंदी को संदेहास्पद/अवैध जमाबंदी से मुक्त किया जा सकता है।” अतः अंचल अमीन, राजस्व उपनिरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक के द्वारा समर्पित किए गए जांच प्रतिवेदन के आधार पर संदेहास्पद या अवैध जमाबंदी से मुक्त करते हुए वाद की कार्रवाई <u>समाप्त</u> की जाती है। लेखापित एवं संशोधित।  अंचल अधिकारी, मनातू।  अंचल अधिकारी, मनातू।	

अंचल अधिकारी, मनातु का कार्यालय

वाद अभिलेख संख्या 9.2 / 2016 (अन्तर्गत धारा 4(h), BLR Act, 1950)
नोटिस

बनाम डब्ल्यू सुन बीबी W/o जलिल मिर्जा

नॉ - १०३३३

एतद् नोटिस द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मैजा १२/१२/१५, थाना नं०.....
खाता नं०..... ०२, खेसरा नं०..... १०६/५५७, रकबा..... ०.१.३७ से संबंधित आपके नाम से हो० नं०.....
पंजी भाग के पृष्ठ १/३५/१ पर दर्ज जमाबंदी प्रथम दृष्टया राजस्व कर्मचारी ने अंचल निरीक्षक
माध्यम से जॉचोपशान्त सन्दिग्ध प्रतिबेदित किया है ।

अतएव आप उक्त संबंध में दिनांक ०५/०१/२०१६ को समय ११:०० बजे पूर्वाह्न में उक्त
रिटर्न १ भूमि बंदोबस्ती से संबंधित हुकुमनामा भूतपूर्व जमींदार द्वारा निर्गत जमींदारी रसीदो, फार्म
सरकार में जमींदारी निहित होने के बाद सरकार द्वारा निर्गत राजस्व रसीदो निर्गत परवाना एवं
साक्ष्यों की मूल प्रति / सत्यापित प्रति जो आपके उक्त भूमि पर दावे की पूर्ष्टि करता हो, के स
अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें ।

सनद रहे कि अन्यथा कि स्थिति में समझा जायेगा कि उक्त संबंध में आपको कुछ नहीं
तथा उपलब्ध दस्तावेज / साक्ष्यों के आधार पर समुचित निर्णय पर पहुचते हुए दर्ज जमाबंदी
में युक्ति युक्त निर्णय लेते हुए विधिसम्मत अनुशंसा कर दी जाएगी ।

इसे सख्त ताकिद जाने ।

तिथि :

मुहर

स्थान :

१२/१२/१५
अंचल अधिकारी
मनातु, पलामू

सेवा में,

ऑफिस अधिकारी
मनादा, पलास।

विषय:- अर्द्ध जमाबंदी केश नं० १५/२०१६-१७ का ऑफिस
प्रतिवेदन समर्पित करने के संबंध में।

महाराज,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में कहना है कि मौजा-
मौझिआ जाकर राजस्व कागजात एवं नक्शा का मिलान
करके ऑफिस ऑफिस के साथ स्थानीय ऑफिस किया, ऑफिस
में पाया कि बीरमजल्ला इक्का इकात सं० ०२, लॉट-
१०६/५५७ रकबा- ०.१३२० पर हदीसुन बीबी ५/० जलील लिलों
के द्वारा जोर की जा रहा है। उनके द्वारा ऑफिस
के दौरान बंदीवली पर्चा, रिजिस्ट्री नक्शा एवं निर्गत रसीद
प्रस्तुत किया गया, जिससे पता चलता है कि
अनुमंडल पदाधिकारी के बंदीवली वाद सं० १५५/२००२-०३
के अन्तर्गत दिनांक- ११/०७/०३ को मौजा- मौझिआ - जगा-
नं० ३५६ के अन्तर्गत उक्त इकात नं० ०२, लॉट-१०६/५५७
रकबा- ०.१३२० की बंदीवली उक्त रजिस्ट्री सा हदीसुन बीबी
परि- जलील लिलों के नाम से हुआ है, जिसका जमाबंदी
मौजा- मौझिआ के मौजा रजि-१ के पेज नं० १३५/२ पर
द्वितीय वर्ष- २००९-१० तक रसीद निर्गत है इस प्रकार
उक्त जमाबंदी संदेहास्पद। नवीन नहीं होता है।

अतः उक्त जमाबंदी को संदेहास्पद। नवीन जमाबंदी
से मुक्त किया जा सकता है।

Ay
6/3/17
प्रतिवेदन

विश्वाधराम
अनिल कुमार राजकु
रा० ३० मिन
हस्ता-॥